आदर्श-उत्तर [illegible] विषय - हिन्दी

EXAMINATION - 201....

Code of Examination ....

Time .... Hrs .... Max. Marks ....

Subject .... Setter No. ....

उत्तर क्रमांक - 1 (1×8=8)

सही विकल्प

(i) (ग) अज्ञेय

(ii) (ग) छः

(iii) (अ) अनुभाव

(iv) (ग) अलंकार

(v) (ख) संस्मरण

(vi) (क) समानार्थक

(vii) (ख) केशव प्रथम वीर

(viii) सन् 1956 में

उत्तर क्र. 2 रिक्त स्थान (1×8=8)

(i) पतंग

(ii) माधुर्य

(iii) श्रव्य

(iv) लक्ष्मी

(v) आत्मकथा

(vi) तीन

(vii) यात्रा वृत्तांत

(viii) सम्पादकीय

P.T.O.

EXAMINATION - 201....

Code of Examination ....

Time .... Hrs .... Max. Marks ....

Subject .... Setter No. ....

उत्तर क्र. (3) सत्य / असत्य

(i) असत्य
(ii) सत्य
(iii) सत्य
(iv) सत्य
(v) असत्य
(vi) असत्य
(vii) असत्य
(viii) असत्य

उत्तर क्र. 4 सही जोड़ी

स्तम्भ (अ)	स्तम्भ (ब)
(i) हालावाद	— (ख) हरिवंशराय बच्चन
(ii) महाकाव्य	— (क) 'रामचरित मानस'
(iii) कालजयी अवधूत	(घ) शिरीष का फूल
(iv) पढ़ाई - लिखाई	(ङ) सजातीय शब्द युग्म
(v) अभिधा शब्द-शक्ति	(च) वाच्यार्थ
(vi) जूझ	(ज) आत्म कथात्मक उपन्यास
(vii) अतीत में दबे पाँव	(ज) ओम थानवी
(viii) समाचार का प्रारम्भिक अंश	(ग) इंट्रो

P.T.O.

EXAMINATION - 201....

Code of Examination ....

Time .... Hrs .... Max. Marks ....

Subject .... Setter No. ....

उत्तर क्र. 5 एक-एक वाक्य में उत्तर (1 x = 8)

(i) कवि ने चौकोर कागज के पन्ने रूपी खेत की बात की है।

(ii) यह परिभाषा पंडित जगन्नाथ की है।

(iii) हिन्दी साहित्य में उपन्यास सम्राट प्रेमचंद को कहा जाता है।

(iv) इसका अर्थ 'दोहरा लाभ होना' है।

(v) आनंद यादव का मन पढ़ाई-लिखाई के लिए तड़पता था।

(vi) मुअन जोदड़ो का शाब्दिक अर्थ 'मुर्दों का टीला' है।

(vii) समाचार लेखन के छः ककार हैं।

(viii) हिन्दी का पहला साप्ताहिक पत्र उदंत मार्तंड है।

उत्तर क्र. 6. (2)

प्रयोगवाद की दो विशेषताएँ — (i) नवीन बिम्बों का प्रयोग
(ii) बौद्धिकता

(अन्य सही विशेषता लिखने पर अंक प्रदान किए जाएँ)

अथवा

छायावाद की दो विशेषताएँ — (i) लाक्षणिकता
(ii) प्रकृति-प्रेम

(अन्य सही विशेषता लिखने पर अंक प्रदान किए जाएँ)

P.T.O.

EXAMINATION - 201....

Code of Examination ....

Time .... Hrs .... Max. Marks ....

Subject .... Setter No. ....

उत्तर क्र. 7 (2)

भाषा में सहूलियत बरतने का अर्थ भाषा का आडम्बरविहीन होना अर्थात् भाषा सरल सहज और स्पष्ट होना चाहिए। कठिन भाषा और शब्दों के प्रयोग से बात की चूड़ी मर जाती है अर्थात् अरुचिकर हो जाती है।

अथवा

विरोधाभास से अलंकृत इस कविता में एक ओर कवि अपने गीतों को सस्वर गाता है, जिससे उसकी वाणी अत्यंत कोमल लगती है किन्तु वास्तविकता में उनके गीतों में विद्रोह छुपा हुआ है अर्थात् कवि की वाणी बाहर से शीतल होते हुए भी क्रोध की आग को समेटे रहती है।

(2)

उत्तर क्र. 8.

	महाकाव्य	खण्डकाव्य
(i)	कथावस्तु विस्तृत	(i) कथावस्तु संक्षिप्त
(ii)	पात्रों की संख्या अधिक	(ii) पात्रों की संख्या कम

(नोट – अन्य सही अंतर लिखने पर अंक प्रदान किए जाएँ)

P.T.O.

EXAMINATION - 201....

Code of Examination ....

Time .... Hrs .... Max. Marks ....

Subject .... Setter No. ....

अथवा

(i) स्थायी भाव की संख्या 10 है।	(i) संचारी भाव की संख्या 33 है।
(ii) यह स्थायी भाव होते हैं।	(ii) यह भाव आते-जाते रहते हैं।

(नोट – अन्य सही अंतर लिखने पर अंक प्रदान किए जाएँ)

उत्तर क्र- 9. (2)

जहाँ उपमेय के सभी अंगों पर उपमान के सभी अंगों का आरोप हो; वहाँ सांगरूपक अलंकार होता है।

उदाहरण — उदित उदयगिरि मंच पर
रघुवर बाल पतंग।

अथवा

सोरठा — यह एक अर्द्धसम मात्रिक छंद है जिसमें कुल चार चरण होते हैं। पहले और तीसरे चरण में 11-11 तथा दूसरे और चौथे चरण में 13-13 मात्राएँ होती हैं।

उदाहरण — जो सुमिरत सिधि होय, गणनायक करिवर वदन।
करहु अनुग्रह सोय, बुद्धिरासि सुभ गुन सदन॥

उत्तर क्र- 10. (2)

विशेषताएँ —

(1) आत्मकथा स्वयं के द्वारा लिखी जाती है।
(2) आत्मकथात्मक शैली का प्रयोग होता है।

(अन्य सही विशेषताएँ लिखने पर अंक प्रदान किए जाएँ)

P.T.O.

EXAMINATION - 201....

Code of Examination ....

Time .... Hrs .... Max. Marks ....

Subject .... Setter No. ....

विशेषताएँ — (1) यह एक लघु विधा है।
(2) पात्रों की संख्या सीमित होती है।

उत्तर क्र. 11 (2)

मनुष्य की क्षमता निर्भर करती है तीन बातों पर —
(1) शारीरिक वंश की परम्परा
(2) सामाजिक उत्तराधिकार
(3) मनुष्य के अपने प्रयत्न

अथवा

सेवाभाव में भक्तिन की तुलना हनुमान से की गई है। जिस प्रकार हनुमान जी श्री राम की सेवा में निरत रहते थे; उसी प्रकार भक्तिन भी अपनी मालकिन की सेवा निःस्वार्थ भाव से करती थी।

उत्तर क्र. 12 (2)

निपात शब्द :- वे शब्द जो किसी वाक्य में किसी शब्द के बाद लगकर उसके अर्थ पर विशेष बल देने का कार्य करते हैं; निपात शब्द कहलाते हैं। उदाहरण — तक, भी, आदि।

अथवा

(1) राजभाषा ऑफीशियल लैंग्वेज है जबकि राष्ट्रभाषा राष्ट्र की भाषा है (2) राजभाषा को संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त होना आवश्यक है। राष्ट्रभाषा को नहीं

(अन्य सही उत्तर लिखने पर अंक प्रदान किए जाएँ)

P.T.O

EXAMINATION - 201....

Code of Examination ....

Time .... Hrs .... Max. Marks ....

Subject .... Setter No. ....

उत्तर क्र. 13. (2)

वाक्य परिवर्तन —

(i) दिनेश अच्छा वाहन चालक है।

(ii) मुझे तुमसे कुछ नहीं कहना है।

अथवा

वाक्य शुद्धिकरण —

(i) उसने अपनी माताजी के चरण स्पर्श किए।

(ii) शीला ने रोटी बनाई।

उत्तर क्र. 14 (2)

यशोधर बाबू के चरित्र की दो विशेषताएँ हैं —

(i) परम्परावादी विचारधारा (ii) असंतुष्ट पिता

(अन्य सही विशेषता लिखे जाने पर अंक प्रदान किए जाएँ)

अथवा

सिंधु घाटी सभ्यता की विशेषताएँ —

(i) सुनियोजित सड़कें। (ii) नगरीय सभ्यता

(अन्य सही विशेषता लिखे जाने पर अंक प्रदान किए जाएँ)

उत्तर क्र. 15 (2)

(1) ~~भा~~ जनसाधारण भाषा पर जोर

(2) समयसीमा और आवंटित जगह के अनुशासन का पालन।

P.T.O

EXAMINATION - 201....

Code of Examination ....

Time .... Hrs .... Max. Marks ....

Subject .... Setter No. ....

अथवा

किसी समाचार संगठन में काम करने वाला नियमित वेतनभोगी पूर्णकालिक पत्रकार कहलाता है।

उत्तर क्र. 16 (1+1+1+1=4)

दो रचनाएँ :- 'सीढ़ियों पर धूप', 'आत्महत्या के विरुद्ध'
(अन्य सभी रचनाएँ लिखे जाने पर अंक प्रदान किए जाएँ)

भावपक्ष :- भ्रष्टाचार, समकालीन समाज का चित्रण तीक्ष्ण व्यंग्य, सामाजिक चेतना।

कलापक्ष :- भाषा शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली, उपमा, रूपक अलंकारों का प्रयोग

साहित्य में स्थान :- कटाक्ष करने वाले, पत्रकारिता के तेवर वाले अविस्मरणीय साहित्यकार हैं।

अथवा

दो रचनाएँ :- 'आत्मजयी', 'चक्रव्यूह' आदि।
(अन्य सभी रचनाएँ लिखे जाने पर अंक प्रदान किए जाएँ)

भावपक्ष :- मानवीय संवेदनाओं का चित्रण एवं राजनीतिक खोखलेपन पर प्रहार।

कलापक्ष :- मुक्तक छंद एवं अनेक अलंकारों का प्रयोग।

साहित्य में स्थान :- आधुनिक युग के प्रमुख कवि हैं।

P.T.O.

EXAMINATION - 201....

Code of Examination ....

Time .... Hrs .... Max. Marks ....

Subject .... Setter No. ....

उत्तर क्र 17 (1+1+1+1 = 4)

महादेवी

दो रचनाएँ :- नीरजा, नीहार, रश्मि, दीपशिखा
(अन्य सही रचनाएँ लिखे जाने पर अंक प्रदान करें।)

भाषा :- रुदन स्वर, संस्कृत प्रधान
शैली :- चित्रात्मक, गवेषणात्मक, विवेचनात्मक
साहित्य में स्थान :- छायावाद का आधार स्तम्भ, पीड़ा और विरह वि. वेदना की गायिका, आधुनिक मीरा
(अन्य सही उत्तर लिखे जाने पर अंक प्रदान किए जाएँ)

अथवा

धर्मवीर भारती

दो रचनाएँ :- गुनाहों का देवता, ठंडा लोहा
(अन्य सही रचनाएँ लिखे जाने पर अंक प्रदान किए जाएँ)

भाषा :- सरल, सुबोध
शैली :- वर्णात्मक, मनोवैज्ञानिक शैली
साहित्य में स्थान :- स्वच्छंद प्रवृत्ति, व्यक्तिवादी चेतना के साहित्यकार, हिन्दी साहित्य में विशेष स्थान

उत्तर क्र. 18 (4)

सटीक भाव पल्लवन किए जाने पर अंक प्रदान किए जाएँ।

अथवा

सटीक संवाद लेखन किए जाने पर अंक प्रदान किए जाएँ।

P.T.O.

EXAMINATION - 201....

Code of Examination ....

Time .... Hrs .... Max. Marks ....

Subject .... Setter No. ....

उत्तर क्र. 19 (1+1+1+1=4)

संदर्भ :- पुस्तक- आरोह भाग 2, पाठ - कवितावली
कवि - तुलसीदास

प्रसंग :- तत्कालीन समाज की यथार्थ स्थिति का वर्णन।

भावार्थ :- सटीक भावार्थ लिखने पर अंक प्रदान किए जाएँ।

काव्य-सौन्दर्य :- कवित्त छंद, अनुप्रास अलंकार

अथवा

संदर्भ :- पुस्तक- आरोह भाग 2
पाठ - पतंग, कवि - आलोक धन्वा

प्रसंग :- बच्चों की कोमलता का वर्णन

भावार्थ :- सटीक भावार्थ लिखने पर अंक प्रदान किए जाएँ।

काव्य-सौन्दर्य :- नवीन बिम्बों का प्रयोग, प्रसाद गुण, शरद ऋतु का मानवीकरण

उत्तर क्र. 20 (1+1+1+1=4)

संदर्भ :- पुस्तक - आरोह भाग -2
पाठ- बाजारदर्शन, लेखक - जैनेन्द्र कुमार

प्रसंग :- मन की विभिन्न स्थितियों का वर्णन।

व्याख्या :- सटीक व्याख्या लिखने पर अंक प्रदान किए जाएँ।

विशेष :- रहस्यवादी विचारधारा एवं संस्कृतनिष्ठ शब्दावली

P.T.O.

EXAMINATION - 201....

Code of Examination ....

Time .... Hrs .... Max. Marks ....

Subject .... Setter No. ....

अथवा

संदर्भ :- पुस्तक - आरोह 2

पाठ - शिरीष के फूल, लेखक - हजारी प्रसाद द्विवेदी

प्रसंग :- शिरीष और अवधूत की तुलना।

व्याख्या :- संस्कृत शब्दों की बहुलता।

भाषा में सजीवता।

उत्तर क्र. 21. (2+1+2=5)

अपठित पद्यांश/

(i) शीर्षक - श्रम का महत्त्व

(ii) वैभव

(iii) भावानुवाद - सटीक भावानुवाद लिखने पर अंक प्रदान किए जाएँ।

अथवा

अपठित गद्यांश

(i) शीर्षक - नई पीढ़ी और समाज

(ii) नई पीढ़ी की

(iii) सारांश - सटीक सारांश लिखने पर अंक प्रदान किए जाएँ।

P.T.O.

EXAMINATION - 201....

Code of Examination ....

Time .... Hrs .... Max. Marks ....

Subject .... Setter No. ....

उत्तर क्र. 22 (5)

औपचारिक पत्र

सम्बोधन – 1 अंक
विषय – 1 अंक
मध्य भाग – 2 अंक
समापन – 1 अंक

अथवा

अनौपचारिक पत्र – प्रारंभ / सम्बोधन – 1 अंक
मध्य भाग – 3 अंक
समापन – 1 अंक

उत्तर क्र. – 23 (7+3=10)

(अ) – रूपरेखा – 1 अंक
प्रस्तावना – 1 अंक
विवरण / मध्यभाग – 4 अंक
उपसंहार / समापन – 1 अंक

(ब) रूपरेखा – 3 अंक
(उचित बिन्दुओं में रूपरेखा लिखने पर अंक प्रदान किए जाएँ).

—x—x—

P. अंतिम पृष्ठ